



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

DEMOCRACY AND DEMOCRATIC VALUES ARE INTEGRAL PART OF LIVES OF EVERY INDIAN: LOK SABHA SPEAKER/लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्य भारतीयों के जीवन के अभिन्न अंग हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

CONSTRUCTIVE CRITICISM ON ISSUES OF PUBLIC IMPORTANCE IS HALLMARK OF PARLIAMENT: LOK SABHA SPEAKER/लोक महत्व पर सकारात्मक आलोचना संसद की विशिष्टता है: लोक सभा अध्यक्ष

...

INDIAN YOUTH IS LEADING THE WORLD: LOK SABHA SPEAKER/भारत के युवा सम्पूर्ण विश्व में नेतृत्व देने का कार्य कर रहे हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

YOUTH BEARS ENVIABLE RESPONSIBILITY TO TAKE NATION FROM AMRIT KAAL TO SWARNIM KAAL: SHRI ANURAG SINGH THAKUR/युवाओं पर देश को अमृत काल से स्वर्णिम काल में ले जाने का अति महत्वपूर्ण दायित्व: श्री अनुराग सिंह ठाकुर

...

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES PARTICIPANTS OF NATIONAL YOUTH PARLIAMENT FESTIVAL 2023/लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2023 के प्रतिभागियों को संबोधित किया

...

New Delhi, 02 March, 2023: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the valedictory ceremony of the National Youth Parliament Festival organized in the Central Hall of Parliament House, today. Information and Broadcasting and Youth Affairs and Sports Minister Shri Anurag Singh Thakur; Minister of State in the Ministry of Home Affairs and Ministry of Youth Affairs and Sports, Shri Nisith Pramanik and Members of Parliament graced the occasion.

Speaking on the occasion, Shri Birla welcomed all the young participants to the historic Central Hall of the Parliament House. He informed the participants that the Central Hall has been witness to many historical and glorious occasions, including the transfer of power from Britain to India and the making of the Constitution. He mentioned that it was here in the Central Hall that India's freedom fighters and Constitution makers prepared the supreme law of the nation i.e. the Constitution of India.

Mentioning the contribution of India, the Mother of democracy, at the global level, Shri Birla highlighted that democratic values, principles and institutions have been present in India since ancient times, which have evolved as per the needs of the time. He added that there have been mentions of democratic institutions in India from ancient Vedic period to Mahabharata and Buddhist period. Expressing joy, Shri Birla observed that democracy and democratic values are an integral part of India and its citizens.

Shri Birla opined that constructive criticism on issues of national and public importance has been the hallmark of the Parliament of India. He said that India's parliamentary heritage and in its democratic governance system, importance has been given to diverse views and interests of every section of society. He added that equal weightage is given to each and every point of view in the Parliament in order to ensure the welfare of the weakest sections of society.

Describing the youth as the foremost symbol of New India, Shri Birla said that due to the achievements and efforts of the youth in various fields, especially its young women, India today is included among the fastest developing young nations in the world. He added that in view of their talent and achievements, the contribution of youth in the nation's development journey is of utmost importance.

Referring to the global contribution of Indian youth, Shri Birla said that in today's era, the Indian youth is providing leadership to the entire world. He hoped that during the Amrit Kaal, youth will play a vital role in building a New India and

ensuring that the benefits of development reach every section of society and that no one is left behind. Calling upon the youth to work purposively, Shri Birla said that the youth can bring necessary reforms in society while building an inclusive and just society. He expressed hope that Indian youth will never hesitate to contribute towards New India and will cooperate fully towards making India a developed nation by 2047 as per the vision of Prime Minister Shri Narendra Modi.

Addressing the valedictory function, Shri Anurag Singh Thakur congratulated all the young participants and winners. He described the five vows of Amrit Kaal given by Prime Minister Shri Narendra Modi as living principles for the youth and exhorted them to incorporate these vows in their lives. In the context of nation's progress and comprehensive development under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, Shri Thakur said that youth have the enviable responsibility to take the nation from Amrit Kaal to Swarnim Kaal.

नई दिल्ली 2 मार्च 2023: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव के समापन समारोह को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर; गृह मंत्रालय और युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रामाणिक तथा अन्य सांसद मौजूद रहे।

अपने संबोधन में सर्वप्रथम श्री बिरला ने सभी युवा प्रतिभागियों का संसद भवन के ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय कक्ष, ब्रिटेन से भारत को सत्ता का हस्तांतरण; संविधान निर्माण समेत कई ऐतिहासिक तथा गौरवशाली क्षणों का साक्षी रहा है। उन्होंने उपस्थित सभी युवा प्रतिभागियों को अवगत कराया कि केन्द्रीय कक्ष में स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं ने देश का सर्वोच्च कानून यानि भारत का संविधान तैयार किया था।

लोकतंत्र की जननी भारत के वैश्विक स्तर के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही लोकतांत्रिक मूल्य, सिद्धांत और संस्थाएं मौजूद रही हैं, जो समय की आवश्यकता के अनुसार विकसित होती रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन वेदिक काल से लेकर महाभारत और बौद्ध काल तक लोकतान्त्रिक संस्थाओं के

उल्लेख मिले हैं। श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्य भारत और उसके नागरिकों की जीवन शैली का अभिन्न अंग हैं।

देश विदेश के घटनाओं और उनके प्रभावों पर अपना दृष्टिकोण रखते हुए श्री बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय और लोक महत्व के मुद्दों पर रचनात्मक वाद-विवाद, सुविचारित चर्चा, और सकारात्मक आलोचना भारत की संसद की विशिष्टता रही है। उन्होंने कहा कि देश की संसदीय विरासत और लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली में विभिन्न विचारों और समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को महत्व दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि संसद में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक विचार को बराबर महत्व दिया जाता है।

युवाओं को विकसित होते नए भारत का प्रतीक बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में युवा वर्ग, खास तौर पर युवतियों की उपलब्धियों और प्रयासों के कारण आज भारत की गिनती विश्व के सबसे तेजी से विकसित होते युवा देशों में है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं की प्रतिभा और उपलब्धियों को देखते हुए देश की विकास यात्रा में युवाओं की विशेष भूमिका और योगदान अत्यंत आवश्यक है।

भारत के युवाओं के विश्वव्यापी योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि आज के युग में भारत के युवा सम्पूर्ण विश्व में नेतृत्व देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमृत काल में युवाओं को नए भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और इस प्रक्रिया में कोई भी पीछे न छूटे। युवाओं का आह्वान करते हुए श्री बिरला ने कहा कि युवा वर्ग समावेशी और न्यायसंगत समाज का निर्माण करते हुए समाज में जरूरी सुधार ला सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि नए भारत की आधारशिला रखने में देश के युवा अपना योगदान देने में पीछे नहीं हटेंगे और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के अनुसार भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने में अपना सम्पूर्ण सहयोग देंगे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सभी युवा प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए अमृत काल के

पांच प्रणो को युवाओं के लिए जीवंत सिद्धांत बताया और उन प्रणो को अपने अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति और व्यापक विकास कार्यों के सन्दर्भ में श्री ठाकुर ने कहा कि युवाओं के ऊपर देश को अमृत काल से स्वर्णिम काल में ले जाने का अति महत्वपूर्ण दायित्व है।